>

Title: *Resentment due to deaths of employees happening due to mismanagement in Managanese Ore India, a Government of India Undertaking at Balaghat, Madhya Pradeshs.

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : अध्यक्ष महोदय, बालाघाट जिले में मैंगनीज ओर इंडिया की अनेक खदानें हैं। उकवा, भरवेली, करटोली में ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको तो मिल गया और क्या होगा?

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन : आपके आशीर्वाद से मिला है। मैंगनीज ओर इंडिया की खदानों में विगत दो महीने में 3 ऐसी दुर्घटनाएं हुयी हैं, जिनमें चार लोगों की जानें चली गयीं। अंडरग्राउंड मैंगनीज के लिए जो सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए, वह नहीं हो रही है। ठेकेदारी प्रथा के कारण भारी भ्रष्टाचार है। इस तरह से यदि होता रहा तो निर्दोष श्रमिकों की रोज जानें जाएंगी।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से खनिज मंत्रालय से निवेदन है कि सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधन किए जाएं, चाहे मैंगनीज की खदान हो या कोयले की खदान हो। बालाघाट में सर्वाधिक मैंगनीज है और भारत सरकार का जो उपक्रम है, उसका व्यवस्थापन वहां ठीक से नहीं चल रहा है। तीसरी बात है कि 500 करोड़ रूपए के मुनाफे में अकेले बालाघाट का उपक्रम रहा, लेकिन जो 5 प्रतिशत राशि उसकी बसावटों के विकास पर खर्च करना चाहिए। पर्यावरण, सड़क, पेयजल और सामाजिक विकास पर मैंगनीज ओर इंडिया एक प्रतिशत राशि भी खर्च नहीं करता है। जब उपक्रम घाटे में थे, तब यह समझ में आता था कि वे खर्च नहीं कर सकते, लेकिन जब 5,000 करोड़ के मुनाफे में है, पूरे विश्व में मैंगनीज का रेट बढ़ा हुआ है, लोहे के भी रेट बढ़े, ऐसी स्थिति में इस तरह से असुरक्षा की स्थिति बनेगी, तो मुझे लगता है कि उपक्रम कहीं और रसातल में न चला जाए। इसलिए पूरे देश के लिए इस बात की आवश्यकता है कि भारत सरकार इस बात की चिंता करे। मैंगनीज ओर इंडिया भारत सरकार का अधीनस्थ है, उसे इतनी छूट न हो कि रात-दिन लोगों की जानें चली जाएं। उनके बसावटों की अन्य विकास की भी योजनायें होनी चाहिए। लंबे समय से वहां सीएमडी का पद खाली है, उसे आज तक नहीं भरा गया। ऐसे लोगों को बैठाया गया, जो अक्षम हैं। इसकी समीक्षा करें। मैंगनीज ओर इंडिया में काम करने वाले श्रमिकों के वेजेज, सुरक्षा और बसावटों के दस किलोमीटर के विकास की चिंता करें। यह मेरा आपसे निवेदन है।

अध्यक्ष महोदय : हमारे प्रामिस की क्या वैल्यू है?

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन : महोदय, अंतिम बार हम आज लोकसभा में बोल रहे हैं, बीजेपी के 6 सांसद विधायक बन गए हैं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : अंतिम बात जो सुन रहे हैं, जो होने वाले हैं, हम उसके लिए बधाई देते हैं। आप भी हमारे मेंबर हैं, वहां जाने के पहले आपको हमारे पास आना होगा।